

शेयर बाजार	सोमवेस 74,115.17 -217.41 (-0.29%)
निपटी	22,460.30 -92.20 (-0.41%)
सर्वका बाजार	प्रति 10 ग्राम 24 carat सोना 86,420.00 चांदी 1080.00

सूर्योदय प्रातः 6:02 संध्या 5:56

फाल्गुन शु. द्वादशी, संवत् 2081

अधिकतम 31°

चूनतम 16°

प्रीडम फाइटर

राष्ट्रहित सर्वोपरि

रांची, पटना व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित



रांची, मंगलवार, 11 मार्च 2025, वर्ष : 16, अंक : 30, कुल पृष्ठ : 12, मूल्य : 2 रुपये, E-mail : freedomfighterranchi@gmail.com / epaper : avnpost.com/freedom-fighter

तीखी नोक-झोंक के बीच विधि-व्यवस्था पर गरमायी बहस



नेता प्रतिपक्ष ने उठाया लंबर विधि व्यवस्था का मुद्दा

झारखण्ड विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन सोमवार को 11 बज कर 10 मिनट में सदन की कार्यालयी शुरू हुई। सदन की शुरूआत ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मराडी ने राज्य में लंबर विधि व्यवस्था का सवाल उठाया और इस पर वर्च कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों को सरकार का संरक्षण मिल रहा है।

उन्होंने नेताओं के बीच बहस बढ़ाती गयी, जिसमें संविधान, राज्य सरकार की नीतियों और नगरपालिका अधिनियम के प्रावधानों का उल्लेख किया गया। स्पीकर रवीन्द्र नाथ महतो ने सरयु राय से आग्रह किया कि वह मंत्री के साथ चैम्पर में बैठ कर समाधान निकालें, लेकिन सरयु राय ने इसे दुरुपयोग हुए कहा कि अगर ऐसा

है और ऐसा लगता है कि राज्य में अपराधियों का हौसला बढ़ गया है, हमन्त है, तो हिस्त है।' इसके बाद भाजपा के विधायक वेल में आ गये और नारेबाजी करने लगे। इस पर स्पीकर रवीन्द्रनाथ महतो ने सदस्यों को समझा-बुझा कर उन्हें सीट पर बैठने का प्रयास किया, लेकिन हांगामा जारी रहा।

अंततः स्पीकर ने सदन की कार्यालयी 12:00 बजे तक के लिए रश्यत कर दी।

करना है, तो फिर सदन की क्या जरूरत? इस पर स्पीकर ने नाराजी जाता हुए कहा कि सदन, सरकार और मंत्रिमंडल पर

आप ही आरोप लगाते हैं!

विधि-व्यवस्था पर गरमाया सदन

झारखण्ड विधानसभा में शून्यकाल

की कार्यालयी शुरू होते ही सूचना के तहत भाजपा विधायक सीपी सिंह ने विधि व्यवस्था का मामला उठाया।

विधायक सिंह ने कहा कि लोगों का

विध

सम्पादकीय.....

व्यापार समझौतों की चुनौतियां

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर कठोर रुख को देखते हुए भारत के लिए व्यापार समझौतों की चुनौतियां बढ़ती दिख रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान हुई बातचीत और अमेरिकी संसद में भारत का नाम दोबारा लेने से स्थिति स्पष्ट होती जा रही है। टैरिफ के सवाल पर ट्रम्प जिस तरह का अडियल रुख दिखा रहे हैं, उसे देखते हुए अब यह उम्मीद करने का कोई अर्थ नहीं रह जाता कि वह अंततः अपनी राह बदलेगे। प्रधानमंत्री मोदी की पिछली अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रम्प ने उनके सामने टैरिफ पर जैसे को तैसा की नीति अपनाने की बात कह कर सबको चौंका दिया था। अब अमेरिकी संसद में उन्होंने दोबारा भारत का नाम लेते हुए 02 अप्रैल से इस नीति पर अमल की घोषणा कर रही-सही कसर भी समाप्त कर दी है। व्यापक, केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक टीम ने अमेरिका में ही व्यापार समझौते के लिए बातचीत की थी। अब इसका फलाफल क्या निकलता है, यह देखना होगा। जब तक तस्वीर स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक कोई निपर्क निकालने की जल्दबाजी दिखाना उचित नहीं होगा। कुछ जानकारों का मानना है कि वर्तमान स्थिति में सम्भावित समझौते को अधिक महत्व देना तर्कसंगत नहीं होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने केवल पिछली सरकारों के दौरान किये गये समझौतों और दी गयी प्रतिबद्धताओं से पीछे हटते रहे हैं, बल्कि कनाडा और मेंटिसको पर ऊंचा टैरिफ लगा कर अपने पिछले कार्यालय के दौरान 2019 में इन देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते का भी अनादर करते दिख रहे हैं। ऐसे में यह सवाल पूछा जा रहा है कि उनके साथ कोई समझौता हो भी जाता है, तो उसके टिके रहने की कथा गारंटी होगी। ऐसे में बातचीत और सुलाह-समझौते की सम्भावना को खारिज भले न किया जाये, लेकिन टैरिफ बढ़ने के खतरे को वास्तविक मान कर इससे उपर्योगी चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करना अधिक जरूरी है। यह कोई आसान राह नहीं साबित होनेवाली, लेकिन वो स्तरों पर एक साथ प्रयास करते हुए आगे बढ़ा जा सकता है। जहां भी सम्भव हो, अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क में कटौती कर बदले में अमेरिकी सरकार से रियायत ली जाये। इसके साथ ही ट्रम्प की पालिसी से प्रभावित हो रहे अन्य देशों के साथ समझौता करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाये। उदाहरण के तौर पर कनाडा है। वह अमेरिकी बाजार में मुश्किलें झेल रहा है और अभी हमारे काम आ सकता है। पुराने मतभेदों को फिलाल एक तरफ करके अपादा की इस स्थिति में बन रहे अवसरों को तत्काल और बिना किसी संकोच अपने पक्ष में करने की जरूरत है। बहरहाल, डॉनल्ड ट्रम्प का टैरिफ पर कठोर रुख क्या रंग दिखलाता है और उसके जवाब में भारत क्या करता है...फिर स तरह के कदम उठाता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

● किसने क्या कहा



रोजगार पाने के बाजाय
रोजगार उत्पन्न
करनेवाले बनें

द्रौपदी मुर्मू
राष्ट्रपति

डीएमके सरकार तमिलनाडु में एनडी 2020 को लागू नहीं करके छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रही है

धर्मद्व ध्रुव
केन्द्रीय शिक्षा मंत्री

औरंगजेब के बाद अब तुगलक की बारी

राकेश अचल

कहते हैं कि जब- सूप तो सूप, छलनी भी बोल उठे कि समझिये कि सकेत अच्छे नहीं हैं। सत्तारूप में मुस्लिम शासकों के खिलाफ ज्यादा युद्ध में अब औरंगजेब के बाद मोहम्मद बिन तुगलक की एन्ट्री हो गयी है। आजपा सांसद दिनेश शर्मा ने अपने तुगलक लेन आवास की नेमस्लेट बदलकर स्वामी विवेकानंद मार्ग कर ली है। उनके इस कदम पर राजनीति शुरू हो गई है। यूपी के उम्मख्यमन्ती के शेष प्रसाद मौर्य ने कहा कि हो एसो ने कोर्ट के हाथों में छात्रों को सरकार से बोरे में जाने की जानी जाएगी। अपृष्ठ जी उसी लाखनऊ के हाथों में जाने की जाएगी। अपने तुगलक के बारे में जान लेते हैं। तुगलक और औरंगजेब से भी यामानी गारंटी दिलाई गयी। यामानी के इस पढ़े लिखे बेटे ने 1325 से 1351 तक दिल्ली के तख्त पर राज किया और अपने जानों में क्रत्रा की, सनक की अनेक इबारतें लिखीं। तुगलक को पढ़ने वैठिये तो आपको एक उपन्यास जैसा मजा आ जायेगा। 20 मार्च 1351 में कालकवलित हुए

वाजपेयी सांसद हुआ करते थे। पृष्ठ॑त जी राजनीति में आने से पहले प्रोफेसर थे, फिर महापैत्री बने, विधायक बने, उपर के उप मुख्यमन्ती बने और अब कठोर संसद में बिल्डिंग बिहारी वाजपेयी ने दिनेश शर्मा को महापैत्र बनाने के लिए जनता से बोट मारे थे। यही दिनेश शर्मा जी अब उस रास्ते पर निकल पड़े हैं जिस पर अटल जी कभी नहीं चले। अइये अब मोहम्मद बिन तुगलक के बारे में जान लेते हैं। तुगलक और औरंगजेब से भी यामानी गारंटी के शेष प्रसाद के इस पढ़े लिखे बेटे ने 1325 से 1351 तक दिल्ली के तख्त पर राज किया और अपने जानों में क्रत्रा की, सनक की अनेक इबारतें लिखीं। तुगलक को पढ़ने वैठिये तो आपको एक उपन्यास जैसा मजा आ जायेगा।

प्रत्येक ने क्रत्रा के बारे में जाने की जानी जाएगी। यैन ने क्रत्रा के बारे में जानी जाएगी।

प्रत्येक ने क्रत्रा के बारे में जानी जाएगी।

CHAMPION



एक झलक

जूनियर एनटीआर ने टीम इंडिया को दी बधाई

हैदराबाद : आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत के बाद देश भर में जश्न का माहौल है। हर कोई टीम इंडिया के लिए खुशी जाहिर कर रहा है और खिलाड़ियों को बधाई दे रहा है। इसी खुशी जश्न पर एनटीआर ने भी सोशल मीडिया के जरिये भारतीय टीम को बधाई दी।

जूनियर एनटीआर ने लिखा चैम्पियंस ट्रॉफी में शनादर जीत के लिए टीम इंडिया को बधाई, बिना हार जीतना काफ़ी छोटी उपलब्ध नहीं है। भारतीय टीम ने पहले साल आईसीसी टी20 विश्व कप जीता था। इस प्रकार उसने रोहित की कप्तानी में दुसरा आईसीसी खिलाफ जीता है।

इससे पहले भारत ने 2002 में

श्रीलंका के साथ ट्रॉफी संयुक्त

रूप में टीम इंडिया ने महेंद्र सिंह

धोनी की कप्तानी में ट्रॉफी को

अपने नाम की थी। जूनियर

एनटीआर के जीएफ फॅम

निर्देशक प्रशांत नील की आने

वाली फ़िल्म में नजर आये।

मिस्ट्री गर्ल के साथ

नजर आये चहल

दुर्वाई : टीम इंडिया से बाहर चल

रहे पिनर यजुवेन्द्र चहल

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी

क्रिकेट के फाइनल को देखे रे

स्टेडियम में मौजूद थे। इस

दोरन चहल के साथ एक मिस्ट्री

गर्ल की नजर आयी। चहल का

कुछ समय पहले ही पीली धूमी

तमांग के साथ तलक खुशी था।

ऐसे में जब प्रशंसकों ने उनके

साथ इस मिस्ट्री गर्ल को देखा तो

ये कैरे की नजरों से बह नहीं

पाए। इस दोरन मिस्ट्री गर्ल

सफेद कर्त देखे थे। उनके

पास आपने एक काला चश्मा

लगा रखा था। दोनों एक दूसरे

के साथ बात बात करते दिखे

जिसके बाद सोशल मीडिया पर

इनकी तस्वीरें और वीडियोज

वायरल होने लगे। एक फैसले

में आंदोलन के बारे में जारी

आयोजित होने वाली वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इसके बाद वीडियो

को अपनी नियमों में शामिल

किया गया। इस

